1/28/22, 2:09 PM

M
today at 1:56 pm

अनुवाद पर परिसंवाद

अनुवाद अध्ययन, प्रशिक्षण तथा रोजगार के आयाम और हिन्दी का संदर्भ

दिनांक – 09 जनवरी, 2022 को सायं 07.30 बजे

अध्यक्षता

डॉ. लोहित हाजरिका
अध्यक्ष
न. का. का.

मुख्य अतिथि

प्रो. ए. के. नाथ

मुख्य वक्ता

डॉ. मोहन कोईराला

अतिथि वक्ता

मनोज कुमार

संयुक्त आयोजना –

लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय, हिन्दी विभाग
तथा महिला कोष
और
शब्द भारती (हिन्दी संसाधन केन्द्र) गुवाहाटी

To join the meeting on Google Meet, click this link: meet.google.com/zza-sndj-kip
Or
open Meet and enter this code: zza-sndj-kip

स्वागत भाषण

डॉ. मंजूमनि राईकीया

बीज भाषण

डॉ. मनोज कुमार शौल

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. हरिणी पाटोवारी दास

आप सादर आमंत्रित हैं।

Manju

Scanned with CamScanner

9 जनवरी 2022

"अनुवाद पर परिसंवाद"

Lakhimpur Commerce College.
Hindi Department

लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय के हिन्दी विभाग, तथा महिला कोष और शब्द भारती हिन्दी संशोधन केन्द्र (गुवाहाटी) के संयुक्त तत्वावधान में 9 जनवरी 2022 में सायं 7 बजे "अनुवाद अध्ययन, प्रशिक्षण तथा रोजगार के आयाम और हिन्दी का सन्दर्भ" विषय पर एक दिवसीय परिसंवाद online mode में आयोजित हुई।

हिन्दी विभाग तथा महिला कोष के समन्वयक डॉ मंजुमणि शईकीया ने सबको स्वागत किया। तुलिका मुसा द्वारा वरगीत से कार्यक्रम प्रारम्भ हुई। लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ लोहित हाजरिका ने आशीष वचन से विषय पर थोड़ा सा वक्तव्य रखा। डॉ मनोज कुमार सोल ने विषय के सन्दर्भ में बताया। कार्यक्रम में लगभग 95 शिक्षक तथा छात्र विद्यार्थियों योग दिया। लखीमपुर विश्व विद्यालय के सेवानिवृत अध्यापक डॉ अनन्त कुमार नाथ तथा शब्द भारती गुवाहाटी केन्द्र के मनोज कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। अंत में डॉ हरिणी पाटीवारी दास ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम की समापन घोषणा किया गया।

विभागाध्यक्ष

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

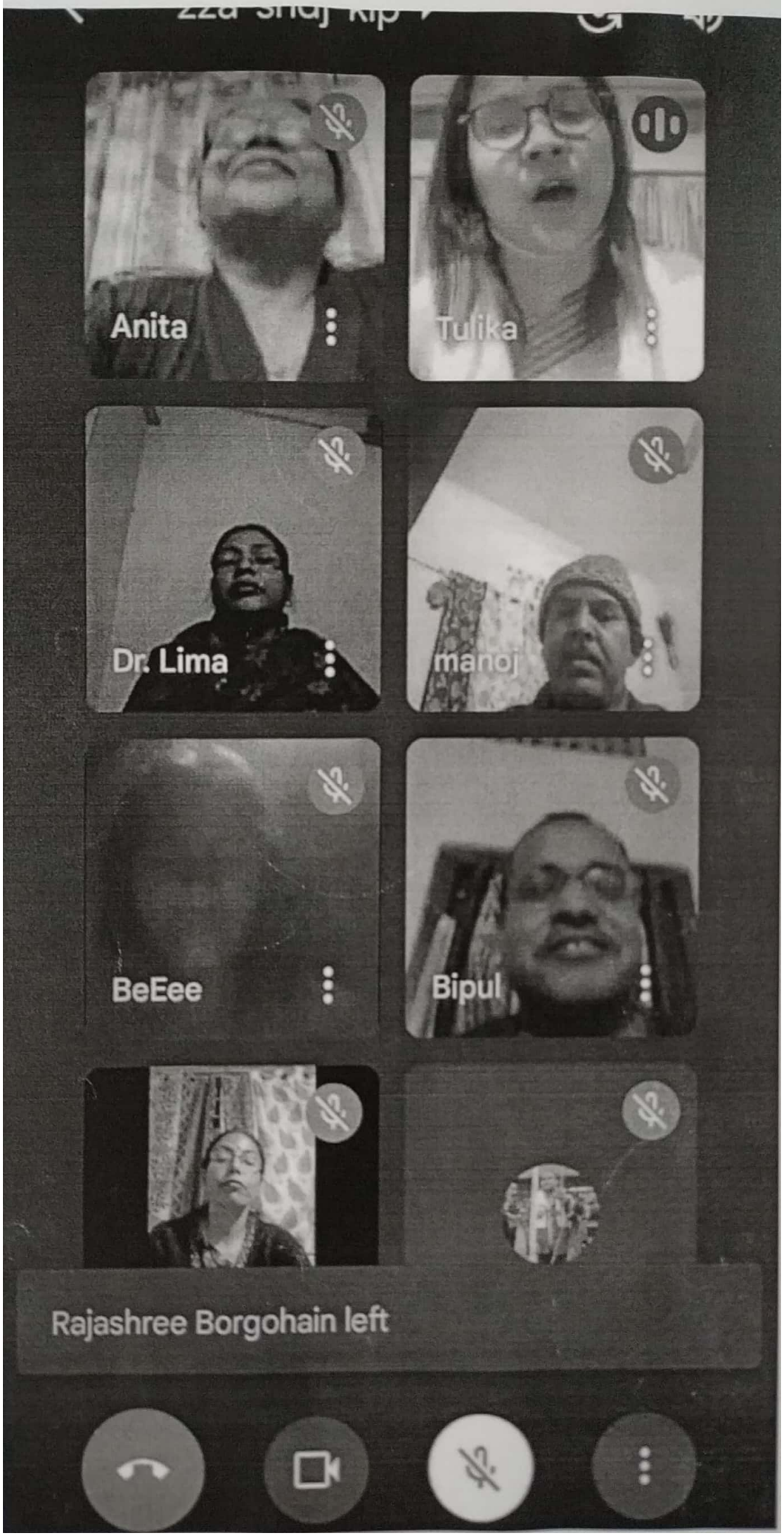

Scanned with CamScanner

Symposium on Hindi translation held

Assam Rising , North Lakhimpur, Jan 15: Under the joint aegis of the Department of Hindi and the women's cell of Lakhimpur Commerce College, North Lakhimpur and Sabda Bharati, a Hindi development center of Guwahati, a symposium on Hindi translation titled " Translation-study, training and opportunity of employment and about Hindi" was held virtually on January 9 last. Lakhimpur Commerce College women's cell co-ordinator Dr. Manjumoni Saikia was in the chair of the symposium who also delivered the welcome address. In the symposium,started with the singing of a Borgeet by Tulika Bhuyan, the Principal of Lakhimpur Commerce College Dr. Lohit Hazarika spoke on the utility of translation while Retired Head of the Hindi Department,Tezpur University, and Sabda Bharati and Sahitya Bharati Assam branch director Prof. Ananta Kumar Nath explained elaborately on all aspects of the process, rules and problems of translation and qualities of a translator. The coach of various competitive examinations Manuj Kumar told about the employment opportunity in government and private sectors through translation diploma. Though Dr. Mohan Koirala, the chief guest, could not lectured due to technical problem, but he assured to deliver lecture on another day. About 94 teachers and students from different parts of Assam took part in the symposium. Assistant Professor of the English Department, Lakhimpur Commerce College, Dr. Harini Patowary Das offered vote of thanks.

Scanned with CamScanner

प्रज्ञा मेल

अनुवाद को लेकर एक परिचर्चा गूगल मीट पर

January 09, 2022 • अरूण बर्मन

लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय ,हिंदी विभाग तथा महिला कोष और शव्द भारती(हिंदी संसाधन केंद्र)गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में गुवाहाटी (प्रज्ञा मेल): आज असम के लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय ,हिंदी विभाग तथा महिला कोष और शव्द भारती(हिंदी संसाधन केंद्र)गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। जो विद्वान डॉ लोहित हजारिका की अध्यक्षता में संपन्न हुई। स्वागत भाषण लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजूमणि सैकिया के स्वागत भाषण से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में प्रोफेसर अनंता कुमार नाथ ने हिंदी से अंग्रेजी में और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने में किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इसी तरह अन्य भाषा में ,चाहे असमिया भाषा हो,में भी इन सब बातों का ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने कई उद्धरणों द्वारा इसे समझाया। जैसे कनक कनक ते सौ गुनी ,मादकता अधिकाय। यमक अलंकार द्वारा समझाया की ,कनक जैसा शव्द अन्य भाषाओँ में नहीं मिलता ,जिसके दिवार्थ है। एक,स्वर्ण और दूसरा धतूरा (मादक प्रदार्थ । ऐसी कई कठिनाई आती है। इसी तरह उन्होंने अंग्रेजी वाक्य से भी समझाया की,कोई व्यक्ति काफी दिन बाद मिलता है तो उसे अंग्रेजी में कहते है कि I HAVE SEEN YOU LIKE A SUNLITE यानि मैं तुम्हे इतने दिन वाद देख के खुश हुआ। ऐसे कई मुश्किल अनुवाद में आती है। इसमें हिंदी अनुवाद को तीन भागों में विभाजित करके दिखाया। जिसमे संस्कृत निष्ट हिंदी ,उर्दू या हिंदुस्तानी भाषा कहे और तीसरा हुई बोलचाल वाली भाषा ,जिसको प्रेमचंद कि भाषा कहा। इसी तरह अनुवाद के अनुभवी विद्वान मनोज जी ने अनुवाद में करियर बनाने वालों को उपयोगी सलाह दी। एक श्रोता ने व्हाट्सप्प ग्रुप बनाने का सुझाव भी दिया। मुख्य अतिथि कोइराला जी से नेट प्रॉब्लम के चलते संपर्क नहीं हो पाया। अंत में डॉ हिरानी पोटवारी ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया और सभी का आभार प्रकट किया।

href="https://blogger.googleusercontent.com/img/a/AVvXsEgMQay4SlDs WCBmPuCPUDkvbOaWs17O4fpdiaENklkh3_mKz3ZskoyuCOqTuXfGHtoIs NtKxKq2id1ft4hMLgsW9XcNBtGZvutLgMmLT7dUEbD_BWxU9kgO8A2yjlk gidXzpWt5VdQtzY27lbH1IEo4wBeOdENlgQ5gQU18ha8gyDSI5NHIZWlr2M

Scanned with CamScanner

লখিমপুৰ বাণিজ্য মহাবিদ্যালয়

মনুবাদ-অধ্যয়ন, হিন্দী
যোগ বিষয়ক আলোচন

বিশেষ সংবাদ, লখিমপুৰ, ১৫
লখিমপুৰ বাণিজ্য মহাবিদ্যালয়ৰ
াগ, মহিলা কোষ আৰু শব্দ-
ন্দী সংসাধন কেন্দ্ৰ) গুৱাহাটীৰ
ত্ৰাবধানত আৰু মহাবিদ্যালয়ৰ
াগৰ সহকাৰী অধ্যাপিকা তথা
কাষৰ সমন্বয়ক ড° মঞ্জুমণি
সঞ্চালনাত ভাৰ্চুৱেলভাৱে
ধ্যয়ন, প্ৰশিক্ষণ তথা ৰোজগাৰ
অভিৰ হিন্দী কা সন্দৰ্ভ' বিষয়ক
লোচনাচক্ৰৰ আয়োজন কৰা হয়।
চক্ৰত 'লখিমপুৰ বাণিজ্য
লয়ৰ অধ্যক্ষ ড° লোহিত
হাজৰিকাই অনুবাদৰ উপযোগি
বক্তব্য দাঙি ধৰে। তেজপুৰ বি
অৱসৰপ্ৰাপ্ত হিন্দী বিভাধ্যক্ষ তথা
আৰু সাহিত্য ভাৰতীৰ অসম শ
অনন্ত কুমাৰ নাথে অনুবাদৰ প্ৰ
সমস্যা, অনুবাদকৰ গুণ আদি
ব্যাখ্যা কৰে। বিভিন্ন প্ৰতিযো
পৰীক্ষাৰ প্ৰশিক্ষক মনোজ কুম
ডিপ্লমাৰ সহায়ত পাব পৰা চ
বেচৰকাৰী খণ্ডৰ নিয়োগৰ বিষ
কৰে। আলোচনাচক্ৰত অসমৰ বি
৯৪ গৰাকী শিক্ষক আৰু ছাত্ৰ
অংশগ্ৰহণ কৰে।

Scanned with CamScanner